भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 541
बुधवार, 22 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

आंध्र प्रदेश में कटाव-प्रवण तटीय जिले

†541. श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टी :

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर) द्वारा आंध्र प्रदेश के तट पर आकलित तटरेखा परिवर्तन और तटीय कटाव का विशेषकर विजयनगरम जिले सहित जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) आंध्र प्रदेश के उक्त जिलों में सरकार द्वारा उच्च, मध्यम और निम्न कटाव वाले क्षेत्रों के रूप में चिन्हित तटीय विस्तारों का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त जिलों में स्थल-विशिष्ट तटीय कटाव का आकलन किया है और यदि हां, तो इसके निष्कर्षों और अनुशंसित उपशमन उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या उक्त जिलों में तटीय कटाव के प्रति संवेदनशील जनसंख्या, तटीय बस्तियों और अवसंरचना से संबंधित कोई आकलन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान, एनसीसीआर ने वर्ष 1990-2022 की अवधि के उपग्रह डेटा का उपयोग करके आंध्र प्रदेश तट पर तटरेखा परिवर्तन का एक व्यापक आकलन पूरा किया है। विजयनगरम जिले सहित जिला-वार तटरेखा परिवर्तन के आंकड़े अनुलग्नक में दिए गए हैं।

जिला	**तटीय लंबाई (किमी)**	**कटाव (%)**	**स्थिर (%)**	**अभिवृद्धि (%)**
श्री पोट्टी श्रीरामुलु नेल्लोर	111.2	35.09	36.17	28.74
प्रकाशम	48.52	27.12	29.39	43.49
अनकापल्ली	70.92	7.02	35.17	57.81
काकिनाडा	119.26	52.99	14.76	32.25
कोनासीमा	84.96	30.37	9.44	60.19
बापटला	101.88	20.20	4.50	75.30
कृष्णा	125.18	42.71	11.58	45.71
पश्चिम गोदावरी	16.94	52.54	2.13	45.34
तिरुपति	93.76	28.82	23.38	47.80
विशाखापट्टनम	68.08	26.85	49.47	23.68
विजयनगरम	21.44	3.26	39.55	57.18
श्रीकाकुलम	165.44	32.14	34.20	33.66
कुल	**1027.58**	**31.95**	**23.86**	**44.20**

विजयनगरम जिले में, मूल्यांकन अवधि (1990-2022) के दौरान 57.18% समुद्र तटों पर अभिवृद्धि देखी गई, 39.55% समुद्र तट स्थिर देखे गए, और 3.26% समुद्र तटों पर कटाव देखा गया।

(ख) दीर्घकालिक तटरेखा परिवर्तन आकलन (1990-2022) के आधार पर, एनसीसीआर ने आंध्र प्रदेश के तटीय जिलों में कटाव की संभावना वाले तटीय क्षेत्रों की पहचान की है। कटाव से प्रभावित भूभागों की जिलेवार सूची नीचे दी गई है।

तिरुपति - पुलिकट झील के उत्तर में, एसएचएआर (श्रीहरिकोटा) तटीय भूभाग, रायडोरुवु इनलेट के दक्षिण में, स्वर्णमुखी नदी के उत्तर में, कृष्णापट्टिनम बंदरगाह के उत्तर में।

श्री पोट्टी श्रीरामुलु नेल्लोर - कृष्णापट्टिनम बंदरगाह के उत्तर में, एसडीएसटीपीएस से कोडुरु समुद्र तट, गंगापट्टनम इनलेट, पेन्ना नदी मुहाना, रामथीरडैम समुद्र तट, इसाकापल्ले तट, जुव्वलाडिने तट, कोठा बंगारू पालेम एफएच से थुम्मलापेंटा समुद्र तट, रामयापट्टनम तट, करेडु तट।

प्रकासम - बिंगिनापल्ली से उल्लापालेम, पलेरू नदी का मुहाना, देवराम पाडू समुद्र तट, देवराम पाडू समुद्र समुद्र तट, गुंडलकम्मा स्पिट, गुंडलकम्मा नदी के उत्तर से चिन्नामगरी पट्टपु पालेम।

बापटला - रोम्पेरू नहर के मुहाने के उत्तर में, डिंडी समुद्र तट, लंकेवानी संरक्षित वन का पश्चिमी भाग।

कृष्णा - फाल्स डिवि प्वाइंट से नागायालंका लाइटहाउस, रामकृष्णपुरम से हमसलादेवी समुद्र तट, कृष्णा नदी से मछलीपट्टनम समुद्र तट, कारा अग्रहारम तट।

पश्चिम गोदावरी - पेरुपलेम से गोदावरी नदी का मुहाना

कोनासीमा - अंतरवेदी तट, गोदावरी नदी का मुहाना, गोदावरी नदी की उत्तरी सहायक नदी कोमारगिरिपट्टनम तक।

काकीनाडा – गोदावरी नदी का मुहाना - स्पिट (यानम), कोरिंगा मैंग्रोव का पूर्वी भाग और होप द्वीप का निचला भाग, होप द्वीप का पश्चिमी भाग, होप द्वीप का पश्चिमी भाग (मध्य भाग), नेमम से उप्पाडा तट, उप्पाडा से कोनप्पापेट्टा तट, कोनप्पापेट्टा से कोठापाकालु तट।

अनकापल्ली - चीपुरुपल्ले ईस्ट

विशाखापत्तनम – यारादा, मंगमारी पेटा से भीमिली, भीमुनिपट्टनम से पेडनागमय्येपलेम।

श्रीकाकुलम - थोनांगी तट, सूर्यमणिपुरम तट, कंबाला रायुडू पेटा समुद्र तट से वज्रपुकोट्टुरु समुद्र तट, डोकुलापाडु समुद्र तट से येरामुक्कम, इसाकलापालेम के उत्तर में बट्टीगल्लूरु समुद्र तट, कलिंगपट्टनम समुद्र तट से डोनकुरु।

(ग) जी हाँ। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने एनसीसीआर के माध्यम से आंध्र प्रदेश के तट हेतु तटरेखा प्रबंधन योजना (एसएमपी) तैयार की है, जिसमें कटाव की संभावना वाले पहचान किए गए भूभागों का स्थल-विशिष्ट मूल्यांकन शामिल है। तटरेखा के व्यवहार, तटीय प्रक्रियाओं और स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर, एसएमपी उचित तटरेखा प्रबंधन उपायों की अनुशंसा करता है, जिसमें आवश्यकता के अनुरूप समुद्र तट पोषण, ड्यून रिस्टोरेशन, पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित उपाय और स्थान-विशिष्ट अभियांत्रिकी हस्तक्षेप शामिल है। प्रमुख साइट विशिष्ट अध्ययन की सूची निम्नानुसार हैं:

1	एसडीएससी-एसएचएआर में तटीय संरक्षण	तिरुपति
2	वोडालारेवु में तटीय संरक्षण	डॉ. बी. आर. अंबेडकर कोनासीमा
3	कोरिंगा-उप्पाडा तट के लिए तटीय रोध-क्षमता	काकिनाडा
4	विशाखापत्तनम भीमुनिपट्टनम पट्टी पर तटीय रोध-क्षमता	विशाखापट्टनम
5	वामसधारा, और नागवल्ली मुहाने और भावनापाडु इनलेट में तटीय अवसंरचना का विकास और इनलेट प्रबंधन	श्रीकाकुलम
6	कृष्णा डेल्टा पर एकीकृत शमन रणनीतियाँ	कृष्णा

(घ) जी हाँ। राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (एनसीसीआर) ने आन्ध्र प्रदेश के तट हेतु तटरेखा प्रबंधन योजना (एसएमपी) तैयार की है, जिसमें तटीय कटाव रोध-क्षमता, तटीय बसावटों, महत्वपूर्ण अवसंरचना और तटरेखा प्रबंधन आवश्यकताओं का आकलन शामिल है। यह तटरेखा प्रबंधन योजना (एसएमपी) तटीय भू-आकृति विज्ञान, ज्वारीय इनलेट, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों, मौजूदा तटीय संरक्षण संरचनाओं, बुनियादी ढांचे, जनसंख्या (जनगणना 2011), सामाजिक-आर्थिक पहलुओं और हितधारकों के इनपुट के विश्लेषण पर आधारित है। इन आकलनों के आधार पर, यह यह तटरेखा प्रबंधन योजना (एसएमपी) तटीय संरक्षण और सतत विकास उपायों की योजना बनाने में राज्य सरकार और अन्य कार्यान्वयन एजेंसियों का समर्थन करने के लिए स्थान-विशिष्ट तटरेखा प्रबंधन रणनीतियाँ प्रदान करता है।

*****